an>

Title: Regarding drug addiction among youth in the country.

डॉ. वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़) : महोदय, भारत आज दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला देश है, परंतु देश के युवाओं में नशीले पदार्थों एवं शराब का प्रचलन आज गंभीर चिंता का विषय है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पिछले सत्र के दौरान आकाशवाणी पर मन की बात प्रोग्राम में देश के युवाओं में नशे एवं ड्रग्स की बात को देश और समाज को बर्बाद कर देने वाली भयंकर बीमारी एवं बुराई बताते हुए गंभीर चिंता व्यक्त की थी। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो ने देश में वर्ष 2010 से 2013 के बीच में 4,77,850 किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किए थे। देश में नशीले पदार्थों की तस्करी के वर्ष 2013 में 22516 मामले सामने आए, जबकि इस वर्ष 12168 मामले दर्ज किए गए हैं।

आज पूरी दुनिया में मेड इन चाइना का माल छाया हुआ है, जबकि कुछ समय पहले मेड इन चाइना के स्थान पर मेड इन जापान माल की गुणवत्ता थी। लेकिन उसी समय समाचार पत्रों में एक समाचार प्रकाशित हुआ था। विश्व का एक शक्तिशाली राष्ट्र जापान में मादक पदार्थों की तस्करी कर रहा है, ताकि वहां के युवाओं को मानसिक रूप से दिवालिया बना सके। अगर वे दिवालिया हो जाएंगे तो जापान में सूक्ष्म उच्च कोटि के अनुसंधान कार्य पर रोक लग जाएगी। कहीं बाहर के देश भी हमारे देश के साथ ऐसा ही तो नहीं कर रहे हैं। पड़ोसी राष्ट्रों में भी नशीली चीजों का उत्पादन बढ़ने एवं सीमाओं से भारत में मादक पदार्थों की तस्करी से देश की सीमाओं पर भी खतरा बढ़ा है।

मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि इस बुराई के विरुद्ध देश में समाज से जुड़े हुए लोग, सोशल मीडिया से जुड़े हुए लोग, विभिन्न समाजों के संत, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक चिकित्सा से जुड़े हुए लोगों का सहयोग लेकर नशे की इस सामाजिक बुराई को खत्म करने के लिए एक महत्वपूर्ण नीति बनाकर काम किया जाए।